नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के पीछे की पौराणिक कथा

भारत के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में से एक नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर गुजरात के द्वारका के पास स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव के अनन्य भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। मंदिर की दिव्यता और शक्ति की अनुभूति के लिए हजारों श्रद्धालु हर वर्ष यहाँ दर्शन करने आते हैं। अगर आप भी इस पावन धाम की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो यहाँ हम बता रहे हैं कि नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर यात्रा की तैयारी कैसे करें और क्या-क्या साथ रखना ज़रूरी है।

भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर गुजरात के द्वारका और बेट द्वारका के बीच स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव के अनन्य भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र और आस्था का केंद्र है। इस मंदिर की शक्ति और महिमा केवल इसके आध्यात्मिक वातावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे छिपी पौराणिक कथा भी इसे और विशेष बनाती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, एक बार दारुक नाम का एक अत्याचारी राक्षस अपनी पत्नी दारुका के साथ समुद्र के पास के एक जंगल में निवास करता था। यह राक्षस भगवान शिव का उपासक तो था, लेकिन उसने अपने तप से शिव से अमरता का वरदान नहीं, बल्कि दूसरों पर अत्याचार करने की शक्ति प्राप्त कर ली थी। उसने अपने वरदान का दुरुपयोग करते हुए ऋषि-मुनियों और साधु-संतों को कष्ट देना शुरू कर दिया।

एक दिन दारुक ने शिवभक्त सुप्रिय और अन्य श्रद्धालुओं को बंदी बना लिया और उन्हें समुद्र के भीतर ले जाकर कैद कर लिया। वहां, सुप्रिय ने जेल में भी भगवान शिव की आराधना करना नहीं छोड़ी। उन्होंने ओम् नमः शिवाय

मंत्र का लगातार जाप किया और भगवान शिव का ध्यान किया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और उन्होंने न केवल सुप्रिय को मुक्त किया, बल्कि दारुक का वध कर दिया।

इसी स्थान पर भगवान शिव एक ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए और इसे नागेश्वर ज्योतिर्लिंग कहा गया। कहते हैं कि जो भी भक्त सच्चे मन से नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन करता है, उसे भय से मुक्ति और आत्मिक शांति प्राप्त होती है। यह मंदिर रक्षात्मक ऊर्जा और बुरी शक्तियों से सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर की एक विशेष बात यह भी है कि यहां शिवलिंग दक्षिण की ओर मुख किए हुए है, जो अत्यंत दुर्लभ है। यह भगवान शिव की रक्षक मुद्रा को दर्शाता है। नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की वास्तुकला भी भक्तों को दिव्यता का अनुभव कराती है।

आज भी लाखों श्रद्धालु यहां हर वर्ष आते हैं और इस चमत्कारी ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर पुण्य प्राप्त करते हैं। यह स्थल न केवल भक्ति का केंद्र है, बल्कि हमारे धार्मिक इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर का अमूल्य हिस्सा भी है।

निष्कर्ष:

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर यात्रा एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव है। सही तैयारी और आवश्यक चीजों के साथ यह यात्रा और भी सुखद और स्मरणीय बन सकती है। यात्रा के दौरान संयम, श्रद्धा और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। भगवान शिव की कृपा आप पर सदैव बनी रहे!

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट पर विजिट करें! :- https://shivshankartirthyatra.com